राष्ट्रीय सेवा योजना
वीर बहादुर सिंह पूर्वान्चल विश्वविद्यालय,जौनपुर

पत्रांकः15 / पू0वि0वि0 / रा0से0यो0 / 2022–23 दिनांक 06.05.2022

सेवा में,

प्राचार्य / कार्यक्रम अधिकारी(रा0से0यो0)
समस्त–सम्बद्ध महाविद्यालय, वीर बहादुर सिंह पूर्वाचंल विश्वविद्यालय
जौनपुर।

विषयः ''आजादी का अमृत महोत्सव'' श्रृखला के अन्तर्गत किये जाने वाले आयोजन तथा महापुरूषों / स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जीवन गाथाओं के प्रचार–प्रसार के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासन के पत्र संख्या–90 / सत्तर–3–2022, दिनांक 07.04.2022 एवं पत्र संख्या–1055 / सत्तर–3–2022, दिनांक 21.04.2022 का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें। जिसके माध्यम से अप्रैल, 2022 से अगस्त, 2023 तक आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर उच्च शिक्षण संस्थानों में निर्गत कार्य–योजना की उल्लिखित तिथियों में निर्धारित थीम के अनुरूप चर्चा–परिचर्चा, विचार गोष्ठी, सेमिनार, सांस्कृतिक कार्यक्रम, क्विज प्रतियोगिता, पोस्टर प्रतियोगिता, फोटो गैलरी, नाट्य मंचन, नुक्कड़ नाटक, चलचित्र, जागरूकता अभियान, योग शिविर, प्रभात फेरी, रैली, सद्भावना दौड़ तथा खेलकूद प्रतियोगिता आदि कार्यक्रमों का आयोजन करने तथा राष्ट्रीय महत्व के मुद्दों पर चर्चा–परिचर्चा गोष्ठी आदि का आयोजन किये जाने का सुझाव दिया गया है।

2–इस सम्बन्ध में अवगत कराना है कि शासन के पत्र दिनांक 07.04.2022 में उल्लिखित कार्ययोजना के अतिरिक्त उच्च शिक्षण संस्थानों में ''आजादी के अमृत महोत्सव'' के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्यक्रमों का आयोजन सुनिश्चित करने का कष्ट करें:–

1. विभिन्न राष्ट्रीय पर्वों, शहीद दिवस एवं संस्थानों की स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को राष्ट्रीय आन्दोलन के अन्तर्निहित मूल्यों, प्रमुख घटनाओं, वीर सेनानियों के त्याग और बलिदान से परिचित कराया जाय।
2. देश में महान क्रांतिकारियों एवं आन्दोलनकारियों ने जन्म लिया, आजादी के आन्दोलन हेतु जहॉ जनसभाए की या वहॉ से उनका को खास जुड़ाव रहा है, ऐसे महत्वपूर्ण स्थानों के साथ स्थानीय स्तर पर गुमनाम शहीदों से जुड़े अनसुने स्थलों का भ्रमण छात्रों को कराया जाय ताकि देश की नई पीढ़ी देश के महान सपूतों की गौरव गाथा से परिचित हो और उन स्थलों पर भ्रमण कर युवा पीढ़ी प्रेरणा ले सकें।
3. छात्राओं को स्वतंत्रता संग्राम से सम्बन्धित स्थानीय स्थलों तक फ्रीडम वॉक तथा स्थल के प्रति संवेदनशील बनाया जाय।
4. जिन संस्थानों में स्मार्ट क्लास की व्यवस्था हो, वहॉ पर छात्रों को आजादी के नायकों से जुड़ी ऐतिहासिक फिल्मों एवं डॉक्यूमेंटी दिखाई जाने की व्यवस्था की जाय।
5. विद्यार्थियों द्वारा स्वतंत्रता संग्राम से सम्बन्धित निबन्ध लेखन / पेण्टिंग / पोस्टर / भाषण / राष्ट्रीवादी / काव्यपाठ / क्विज प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया जाय।
6. विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, कला एवं संस्कृति के संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाया जाय।
7. 'बी0एड0 के प्रशिक्षणार्थियों तथा अन्य पाठ्यक्रमों के छात्रों को भी स्थानीय जनपद के स्वतंत्रता आन्दोलन / हस्तशिल्प / लोकसंगीत / लोकनृत्य / स्थानीय व्यंजन / वेशभूषा पर आधारित प्रोजेक्ट वर्क आवंटित किये जाने से उपयोगी जानकारी प्राप्त हो सकती है।
8. छात्रों को 'स्वच्छ भारत मिशन' डिजिटल इण्डिया कार्यक्रम विद्यार्थी विरासत, राजदूत परियोजना, ''बुजुर्गो की बात, देश की बात'' आत्मनिर्भर भारत से सक्रिय रूप से सम्बद्ध किया जाय।
9. उच्च शिक्षण संस्थाओं के स्थापना दिवस के अवसर पर ''आजादी का अमृत महोत्सव'' की थीम पर कार्यक्रम कराए जाय।
10. संस्थान के छात्रावास, प्रयोगशालाओं आदि का नामकरण स्थानीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के नाम पर किया जाय।

पेज–2

11. भारतीय एवं विदेशी शोधार्थियों को स्वतंत्रता आन्दोलन के अनाम नायकों तथा अनसुनी धटनाओं/पक्ष पर शोध कार्य करने हेतु यू0जी0सी0 के सहयोग से फेलोशिप प्रदान किया जाय।
12. विश्वविद्यालय में स्वतंत्रता आन्दोलन से सम्बन्धित विभिन्न शोध कार्य कराये जाय। विश्वविद्यालय के आधुनिक भारतीय इतिहास विभाग द्वारा संदर्भित शोध कार्य पर आधारित स्थानीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों/घटनाओं से सम्बन्धित विवरण विश्वविद्यालय में अध्ययनरत् स्नातकोत्तर विद्यार्थियों/शोधार्थियों के माध्यम से संकलित कर उपलब्ध कराया जाय, जिससे जनपद स्तर पर संबंधित स्वतंत्रता आन्दोलन/स्वतंत्रता सेनानियों के संबंध में समुचित जानकारी प्राप्त हो सके।
13. आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत ''चौरी चौरा शताब्दी महोत्सव'' का आयोजन किया गया है। सेन्टर आफ एक्सीलेंस योजना के अन्तर्गत चौरी चौरा अध्ययन केन्द्र, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर में स्थापित किया गया है, उसकी गतिविधियों की सूचना शासन को त्रैमासिक रूप से प्रेषित की जाय।
14. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ तथा सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा गौरव गैलरी के स्थापना हेतु संस्कृति विभाग को प्रस्ताव उपलब्ध कराया गया तथा संस्कृति विभाग द्वारा गौरव गैलरी की स्थापना हेतु अनुदान प्रदान किया गया है। दोनो विश्वविद्यालय इसके अन्तर्गत की गयी कार्यवाही की त्रैमासिक सूचना उपलब्ध कराएगें। इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों से अपेक्षा है कि अपने विश्वविद्यालय में गौरव विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु सम्यक प्रस्ताव संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन को उलब्ध कराये।

3–इस विश्वविद्यालय से सम्बद्ध महाविद्यालयों में वरिष्ठ शिक्षक को नोडल अधिकारी नामित करके विश्वविद्यालय के रा0से0यो0 कार्यालय को सूचित किया जाय ताकि शासन को तत्काल सूचित किया जा सके। जो विश्वविद्यालय एवं जिलों की सूचना संकलित करके शासन को 10 मई, 2022 तक प्रेषित करेंगे।

4–निदेशक उच्च शिक्षा द्वारा अपने विभाग की वेबसाइट पर आजादी का अमृत महोत्सव हेतु लिंक उपलब्ध कराएंगे तथा उच्च शिक्षण संस्थाओं द्वारा दिन–प्रति दिन की गतिविधियॉ इस पर अपलोड की जायेगी।

भवदीय

डॉ0(राकेश कुमार यादव)
कार्यक्रम समन्वयक

प्रतिलिपिः निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. निजी सचिव माननीय कुलपति जी, माननीय कुलपति महोदया के सूचनार्थ।
2. अपर मुख्य सचिव, उच्च शिक्षा अनुभाग–3, उ0प्र0 शासन, लखनऊ।
3. क्षेत्रीय निदेशक, भारत सरकार, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, क्षेत्रीय निदेशालय, केन्द्रीय भवन, आठवां तल, हाल नं0–1, सेक्टर–एच, अलीगंज, लखनऊ–226064 उ0प्र0।
4. विशेष कार्याधिकारी एवं राज्य सम्पर्क अधिकारी, उच्च शिक्षा(रा0से0यो0को0)विभाग, बहुखण्डी भवन, उ0प्र0शासन, लखनऊ।
5. वरिष्ठ आशुलिपिक कुलसचिव, कुलसचिव जी के सूचनार्थ।
6. वरिष्ठ आशुलिपिक वित्त अधिकारी, वित्त अधिकारी जी के सूचनार्थ।
7. प्रभारी वि0वि0 वेबसाइट को इस आशय से प्रेषित कि उक्त सूचना को वि0वि0 वेबसाइट पर अपलोड करना सुनिश्चित करें।

डॉ0 (राकेश कुमार यादव)
कार्यक्रम समन्वयक